213

B.A. (Part – I) Examination, 2022

(Three -Year Scheme)

(10+2+3)

(Faculty of Arts)

हिन्दी साहित्य

Paper-I

(आदिकाल एवं भक्तिकाल)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : **100**

Minimum Pass Marks : **36**

Note : (1) Answer of all the questions (Short answer as well as descriptive) are to be given in the main answer-book only. Answer of short answer type questions must be given in sequential order. Similarly all the parts of one question of descriptive part should be answered at one place in the answer-book. One complete question should not be answered at different places in the answer-book.

सभी (लघूत्तरात्मक तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर पुस्तिका में ही लिखें । लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही दीजिये । इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल करें ।

(2) No supplementary answer-book will be given to any candidate. Hence the candidates should write the answer precisely in the main answer book only.

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी । अतः परीक्षार्थियों को चाहिये कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें ।

https://www.pdusuonline.com

1. निम्नांकित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए 10 × 4 = 40

(क) सखि हे कतहुँ न देखि मधाई।

कांप सरीर थीर नहिं मानस, अवधि नियर भेलि आई।

माधव मास तीथि भेल माधव, अवधि कहए पिय गेला।

कुच-जुग संभु परसि कर बोललन्हि से परतीति मोहि भेला।

मृगमद चानन परिमल कुंकुम, के बोल सीतल चंदा।

पिय बिसलेख अनल जओं बरिसए, बिपति चिन्हिअ भल मंदा।

भनइ विद्यापति सुनु बर जौवति, चित जनु झांखह आजे।

पिय बिसलेख – कलेस – मेटाएत बालम्भ बिलसि समाजे।।

अथवा

राज चित्त कैमास। चित्त कैमास दासि गय।।

नीर चित्त बर कमल। कमल चित्त बर भान गय।।

भंवर चित्त भमरी सु। भंवर रत्तौ सु कुसुम रस।।

ब्रह्म लोय रत्तयौ। लोय रत्तौ सु अधम रस।।

उतमंग ईस धरि गंग कौ। गंग उलटि फिर उदधि मिलि।।

(ख) कहौ भई वा अंबर कासूं लागा।

कोई जांणेंगा जांननहारा सभागा।।

अंबरि दीसै केता तारा, कौन चतुर ऐसा चितवनहारा।

जे तुम्ह देखौ सो यहु नांहीं, यहु पद अगम अगोचर मांहीं।

तीनि हाथ एक अरधाई, ऐसा अंबर चीन्हौं रे भाई।

कहै कबीर जो अंबर जांनैं, ताही सूं मेरा मन मांनैं।।

अथवा

बिनु गुपाल बैरिन भईं कुंजैं।

तब ये लता लगति तन सीतल, अब भईं बिषम ज्वाल की पुंजैं।।

बृथा बहति जमुना, खग बोलत, बृथा कमल फूलनि अलि गुंजैं।

पवन, पानि, घनसार, संजीवनि, दधिसुत किरन भानु भईं भुंजैं।

ए ऊधौ कहियौ माधव सौं, मदन मारि कीन्हीं हम लुंजैं।

सूरदास प्रभु तुम्हरे दरस कौं, मग जोवत अँखियाँ भईं छुंजैं।।

https://www.pdusuonline.com

(ग) गज-ब्याजि घटा, भले भूरि भटा, बनिता सुत भौंहें तकैं सब वै ।

धरनी, धनु, धाम, सरीरू भलो, सुरलोक हु चाहि इहै सुख स्वै ।।

सब फोटक साटक है तुलसी, अपनों न कहू सपनो दिन द्वै ।

जरि जाउ सो जीवन जानकीनाथ ! जियैं जग में तुम्हरो बिनु है ।

अथवा

या ब्रज में कछु देख्यो री टोना ।

ले मटुकी सिर चली गुजरिया, आगे मिले बाबा नन्दजी के छोना ।

दधि को नाम बिसारि गयो प्यारी, ले लेहुरी कोई स्याम सलोना ।

बिंद्राबन की कुंज-गलिन में, नेह लगाई गयो मन-मोहना ।

मीराँ के प्रभु गिरधर नागर, सुन्दर स्याम सुघर रस-लोना ।।

(घ) काह कहूँ सजनी संग की रजनी नित बीतै मुकुन्द को हेरी ।

आवन रोज कहैं मनभावन आवन की न कबौं करी फेरी ।

सौतिन भाग बढ़्यौ ब्रज में जिन लूटत हैं निसि रंग घनेरी ।

मो रसखानि लिखी बिधना मन मारिकै आपु बनी हौं अहेरी ।।

अथवा

पंथी, एक सँदेसड़उ, लग ढ़ोलइ पैहचाइ ।

निकसी वेणी सापणी, स्वात न बरसउ आइ ।।

पंथी, एक सँदेसड़उ, लग ढ़ोलइ पैहचाइ ।

जोवन खीर समुंद्र हुइ, रतन ज काढ़इ आइ ।।

2. विद्यापति का जीवन परिचय देते हुए सिद्ध कीजिए कि वे भक्त कवि के साथ ही शृंगारी कवि भी थे । 15

अथवा

'पृथ्वीराज रासो' में वर्णित 'कैमास-करनाटी-प्रसंग' की ऐतिहासिकता पर अपने विचार लिखिए ।

3. "कबीर महान क्रान्तिकारी थे ।" इस कथन की विवेचना करते हुए बताइए कि वर्तमान में कबीर क्यों प्रासंगिक हैं ? 15

अथवा

'सिंहल द्वीप वर्णन-खण्ड' के आधार पर जायसी के प्रकृति-चित्रण पर प्रकाश डालिए ।

https://www.pdusuonline.com

4. रसखान का जीवन परिचय देते हुए बताइये कि रसखान वास्तव में रस की खान थे । 15

अथवा

तुलसी की भक्ति भावना पर लेख लिखिए ।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : 15

(क) आदिकाल का नामकरण ।

(ख) अष्टछाप के कवियों का परिचय ।

(ग) सूफी काव्यधारा ।

(घ) आदिकाल का लौकिक साहित्य ।

https://www.pdusuonline.com